

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



प्रेस विज्ञप्ति

फिराक़ गोरखपुरी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर साहित्य अकादेमी द्वारा साहित्य मंच
कार्यक्रम का आयोजन

फिराक़ गोरखपुरी हिंदुस्तानियत के शायर - अखतरुल वासे

फिराक़ इंसानियत के शायर हैं - सैयद तकी आबिदी

नई दिल्ली, 11 अप्रैल 2023। साहित्य अकादेमी द्वारा आज 'फिराक़ गोरखपुरी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व' पर एक साहित्य मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आरंभिक वक्तव्य उर्दू परामर्श मंडल के संयोजक, चंद्रभान खयाल, मुख्य वक्तव्य प्रतिष्ठित उर्दू समालोचक एवं विद्वान सैयद तकी आबिदी और अध्यक्षीय वक्तव्य प्रतिष्ठित उर्दू एवं अरबी विद्वान अखतरुल वासे द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव द्वारा अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्रम और साहित्य अकादेमी की पुस्तकें भेंट करके किया गया।

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में अखतरुल वासे साहब ने कहा कि फिराक़ गोरखपुरी हिंदुस्तानियत के शायर थे और उनकी पूरी शायरी में भारतीयता के रंग, संस्कार और संस्कृति की सच्ची तस्वीर मिलती है। अपने मुख्य वक्तव्य में कनाडा से पधारे सैयद तकी आबिदी ने कहा कि फिराक़ इंसानियत के पैरोकार है और उन्होंने उर्दू शायरी को नया और भारतीय चेहरा प्रदान किया। आगे उन्होंने कहा कि फिराक़ साहब की भाषा बनावटी नहीं है और वह गजल लेखन की सारी परंपराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। अपने आरंभिक वक्तव्य में चंद्रभान खयाल साहब ने कहा कि उनके सारे लेखन में चाहे उसका कोई भी विषय हो एक गहरी फिक्र नजर आती है जो उनके गहरे तजुर्बे के कारण संभव है। उनकी शायरी में जो भरपूर इश्क है वह अपने आप में बिल्कुल अलग है। उनका आशिक माशूक के आगे पीछे घूमने वाला महबूब नहीं बल्कि उसके साथ चलने वाला दोस्त है।

के. श्रीनिवासराव